अंक 3 माह: अक्टूबर 2024

विश्रुत

मासिक पत्रिका

DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Madhya Pradesh, Khandwa
AN AISECT GROUP UNIVERSITY

विश्वविद्यालय मासिक पत्रिका

"ऊर्जस्वला वर्चस्वला अतिनिष्चला विजये
We are Energetic, Influential and are Always Committed"

मास का सूत्र

रचनात्मक आलोचना नवाचार, रचनात्मकता और समस्या समाधान के लिए अनिवार्य है। क्योंकि नेतृत्व के लिए इन तीनों तत्वों की आवश्यकता होती है, इसलिए संयोजक को न केवल प्रतिक्रिया के लिए खुले रहना चाहिए, बल्कि इसे सक्रिय रूप से खोजने की भी कोशिश करनी चाहिए। केवल सामान्य प्रतिक्रिया की बजाय, अपनी टीम को अपने विचारों और दृष्टिकोणों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित करें। यह जवाबदेही को बढ़ावा देता है और टीम की सामूहिक ताकत को सशक्त बनाता है।

संपादकीय

"डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय: छात्र कल्याण और छात्र के समग्र विकास की दिशा में प्रतिबद्धता"

"शिक्षा का उद्देश्य कौशल और नवाचार को प्रोत्साहित करना है,और हमें समाज को बदलने का माध्यम बनाना है। " डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय छात्रों के समग्र विकास और उनके सपनों को साकार करने में सहायक बनने के लिए प्रतिबद्ध है। छात्र जीवन वह महत्वपूर्ण समय है, जिसमें व्यक्तित्व, कौशल और नेतृत्व क्षमता का निर्माण होता है। इसी दौरान मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के प्रयास किए जाते हैं। डॉ. सी. वी. रामन का उद्धरण है: "विज्ञान और शिक्षा में विकास का कोई अंत नहीं होता; जो भी ज्ञान हम अर्जित करते हैं, वह न केवल हमारे लिए बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी उपयोगी होना चाहिए।"

"छात्र कल्याण अंक " विश्वविद्यालय द्वारा छात्र कल्याण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों, योजनाओं और उपलब्धियों का एक आदर्श उदाहरण है। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न संगठनों और क्लबों की भूमिका पर विशेष ध्यान दिया गया है, जैसे विश्वविद्यालय छात्र परिषद, एनसीसी, एनएसएस, खेलकूद संघ और और विभिन्न विषय आधारित छात्र वृंद (स्टूडेंट क्लब)।

मानसिक कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत मानसिक स्वास्थ्य कार्यशालाएँ, परामर्श सत्र और आत्म-जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जाता है, जो छात्रों को मानसिक दबाव, चिंता और अवसाद से उबरने में मदद करते हैं।खेलकूद और शारीरिक फिटनेस छात्रों के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। नियमित प्रतिस्पर्धाएँ, योग सत्र और फिटनेस शिविर आयोजित किए जाते हैं। एनसीसी और एनएसएस के माध्यम से शारीरिक और मानसिक अनुशासन को भी बढ़ावा दिया जाता है।

सांस्कृतिक और सामुदायिक गतिविधियाँ वाद-विवाद, नाट्य मंचन और सामुदायिक सेवा परियोजनाओं के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व, सहानुभूति और नेतृत्व कौशल को प्रोत्साहित करती हैं। आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता कार्यक्रम उपलब्ध हैं।

एनसीसी और एनएसएस छात्रों में अनुशासन, देशभक्ति, नेतृत्व कौशल और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करते हैं। विश्वविद्यालय छात्र परिषद छात्रों की समस्याओं का समाधान और उनके हितों की रक्षा करती है, जबकि विभिन्न क्लब छात्रों की रुचियों और क्षमताओं को प्रोत्साहित करने का मंच प्रदान करते हैं।

यह "छात्र कल्याण" अंक विश्वविद्यालय के प्रयासों का एक अभिलेख है, जो छात्रों को आत्मनिर्भर, सशक्त और सफल बनाने की दिशा में निरंतर काम कर रहा है। यह छात्रों के समग्र विकास और समाज में उनके सकारात्मक योगदान का प्रतीक है। डॉ. सी. वी. रामन विश्वविद्यालय ने हमेशा छात्रों को उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया है, और यह विशेषांक इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

"हमारा उद्देश्य है: शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रनिर्माण।"

वृतांत

- डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय, खंडवा ने सस्टेनोवेट क्लाइमेट सॉल्यूशंस के साथ जलवायु परिवर्तन और सतत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए MOU पर हस्ताक्षर किए। इस साझेदारी के तहत विश्वविद्यालय 'सतत विकास में पीजी डिप्लोमा', 'कार्बन क्रेडिट जनरेशन', और 'सस्टेनेबल एग्रीकल्चर' जैसे पाठ्यक्रम और शोध परियोजनाएँ संचालित करेगा। कुलपति डॉ. अरुण आर. जोशी ने इसे छात्रों के लिए वैश्विक अवसरों का महत्वपूर्ण कदम बताया।
- डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय में आयोजित "रामन नवोन्मेष" कार्यशाला में १२ प्रोजेक्ट्स में से ३ चयनित हुए। प्रथम पुरस्कार "हर्बल गैलरी" प्रोजेक्ट के लिए आयुष राठौर और टीम, द्वितीय पुरस्कार जल पदचिह्न मापन पर दीपांशु दशोरे की टीम, और तृतीय पुरस्कार हस्तनिर्मित कागज निर्माण प्रोजेक्ट के लिए गोल्डी फूलमाली की टीम को मिला।
- डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय की एन.सी.सी. कैडेट अक्शा सिद्दीकी का चयन ३३वें अखिल भारतीय जी.वी. मावलंकर शूटिंग प्रतियोगिता के लिए हुआ। यह प्रतियोगिता ३-१२ नवंबर २०२४ को त्रिवेंद्रम, केरल में आयोजित होगी।
- डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय में "डायलॉग डैश" सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें अंग्रेजी भाषा कौशल के वैश्विक महत्व पर चर्चा की गई। अतिथि विशेषज्ञों श्री अजय सिंह राजपूत, सुश्री पूजा शर्मा, और डॉ. आलोक सेठी ने छात्रों को संवाद कौशल के बारे में प्रेरित किया। कुलगुरु डॉ. अरुण जोशी ने इसे छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण बताया।

दृष्टि और उद्देश्य

डॉ.सी.वी. रामन विश्वविद्यालय, खंडवा का उद्देश्य शैक्षिक उत्कृष्टता, गर्व, दृढ़ता और उन्नत शिक्षा के माध्यम से छात्रों में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना है। विश्वविद्यालय अत्याधुनिक दक्षताओं से दक्ष उद्यमियों और व्यवसायियों का एक नया कैडर तैयार करने के लिए कृतसंकल्प है, जो समाज को आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर कर सकें।

मूल्य और गतिविधियाँ

डॉ.सी.वी. रामन विश्वविद्यालय, खंडवा का शिक्षा दर्शन गरिमा, समानता, नैतिक सत्यनिष्ठा और नवीनता पर आधारित है। विश्वविद्यालय की आधारशिला गतिविधियों में भावी छात्रों का नामांकन, एंड्रागॉजी सिद्धांतों का उपयोग करके शिक्षण के नए तरीकों का विकास, नैतिकता का निर्माण और सटीक मूल्यांकन सुनिश्चित करने वाले परीक्षा प्रोटोकॉल शामिल हैं। यहां उद्यमशीलता की भावना और अनुसंधान अभिविन्यास पर जोर दिया जाता है।

संपादकीय मंडल

संरक्षक : प्रो. डॉ. अरुण रमेश जोशी,
कुलगुरु, सीवीआरयू खंडवा,
प्रधान संपादक : श्री रवि चतुर्वेदी, कुलसचिव, सीवीआरयू, खंडवा,
कार्यकारी संपादक : प्रो. नेहा शुक्ला, मुख्य प्रकाशन अधिकारी
साक्षी चौहान,
सदस्य : 1. डॉ. सीमा शर्मा, डायरेक्टर रिसर्च एंड इनोवेशन
2. डॉ. गणेश मलगाया, डायरेक्टर केंद्रीय प्रयोगशाला समन्वयक
3. प्रो. योगेश महाजन, तकनीकी अधिकारी, कुलगुरु सचिवालय
संकल्पना : श्री प्रमोद पटेल, ग्राफिक डिजाइनर प्रकाशन विभाग
पवन चौरसिया, ग्राफिक डिजाइनर
संचार एवं प्रसार : श्री मनदीप सिंह पंवार, अध्ययनशाला समन्वयक
आर्यभट्ट स्कूल ऑफ डिजिटल लर्निंग
श्री हमज़ा मालिक,
वनमाली केन्द्रीय ग्रंथालय

छात्र कल्याण

छात्रों और शिक्षकों के लिए आदर्श वातावरण बनाने के उद्देश्य से डॉ. सी.वी. रामन

डॉ.सी.वी. रामन विश्वविद्यालय, खंडवा का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों के लिए एक आदर्श वातावरण का निर्माण करना है, जो न केवल उन्हें सामाजिक और आर्थिक रूप से जागरूक बनाए बल्कि उन्हें ज्ञान-आधारित शिक्षा के माध्यम से एक मजबूत आधार प्रदान करे। विश्वविद्यालय का मानना है कि छात्रों को एक ऐसी शिक्षा प्रणाली प्रदान की जाए जो उन्हें इस तेजी से बदलती प्रतिस्पर्धात्मक दुनिया की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने में सक्षम बनाए।

विशेष रूप से, विश्वविद्यालय ने शिक्षा में ऐसे मूल्यों को प्रोत्साहित करने की दिशा में कदम उठाए हैं, जो छात्रों को न केवल अकादमिक बल्कि सामाजिक और आर्थिक दृष्टिकोण से सशक्त बनाए। इसका उद्देश्य छात्रों को ऐसे ज्ञान से सुसज्जित करना है, जो उन्हें जीवन की चुनौतियों को कुशलता से सुलझाने में मदद कर सके।

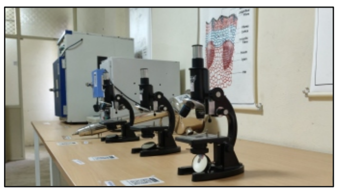

छात्र परिषद

रामन छात्र परिषद : छात्र जीवन और कल्याण को समर्पित

डॉ.सी.वी. रामन विश्वविद्यालय, खंडवा की "रमन छात्र परिषद" छात्रों के समग्र विकास और कल्याण के लिए समर्पित है। यह परिषद छात्र जीवन को समृद्ध बनाने, जुड़ाव को प्रोत्साहित करने और छात्रों की आवाज़ को प्रमुखता देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। परिषद छात्रों के विचारों और हितों का प्रतिनिधित्व करती है और सामाजिक, सामुदायिक, एवं नेतृत्व विकास के अवसर प्रदान करती है। यह संकाय और छात्रों के बीच सेतु का कार्य करते हुए सांस्कृतिक, साहित्यिक और खेल सहित विभिन्न सह-पाठ्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियों का आयोजन भी करती है।

परिषद का उद्देश्य रामन छात्र परिषद एक वर्ष की अवधि के लिए निर्वाचित निकाय के रूप में संकाय पर्यवेक्षण में कार्य करती है, जो छात्र हितों के लिए विविध गतिविधियों का आयोजन करती है। इसका उद्देश्य छात्रों और विश्वविद्यालय प्रबंधन के बीच संचार को सुदृढ़ करना, कार्यक्रमों के आयोजन में सहयोग देना, एवं विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संचालित करना है।

विद्यार्थी परिषद के मुख्य उद्देश्य

- छात्रों और प्रबंधन के बीच संवाद को प्रभावी और सुदृढ़ बनाना।
- शैक्षणिक और व्यक्तिगत विकास के लिए सकारात्मक और प्रेरणादायक माहौल तैयार करना।
- सांस्कृतिक, सामाजिक, और शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करना।
- छात्रों के विचारों और सुझावों को संस्थान के विकास में शामिल करना।

सदस्यता और चयन मानदंड

परिषद में सदस्यता के लिए छात्रों का चयन उनके नेतृत्व गुणों, शैक्षणिक योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। इसके लिए कुछ मानदंड हैं, जैसे:

- प्रामाणिक छात्र स्थिति, जिसमें कोई शैक्षणिक बकाया या अनुशासनात्मक मामला न हो।
- न्यूनतम 75% उपस्थिति और अच्छा शैक्षणिक रिकॉर्ड।

परिषद की संरचना

" रामन छात्र परिषद " में कुल 80 सदस्य होते हैं, जिनमें अध्ययनशाला एवं कक्षा छात्र परिषद पदाधिकारी और प्रतिनिधि शामिल हैं:

प्रमुख पदाधिकारी:

- अध्यक्ष,
- उपाध्यक्ष,
- महासचिव,
- खेल सचिव,
- सांस्कृतिक सचिव,
- साहित्यिक सचिव,
- एनसीसी प्रमुख
- एनएसएस प्रमुख।

प्रतिनिधि:

- कक्षा प्रतिनिधि (80)
- स्कूल प्रतिनिधि (12)
- क्लब गतिविधियों के अध्यक्ष (12)

इसके अतिरिक्त, एक वरिष्ठ संकाय सदस्य परिषद के सलाहकार के रूप में कार्य करता है।

परिषद की भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ

अध्यक्ष

- परिषद का आधिकारिक प्रतिनिधित्व करना और बैठकों की अध्यक्षता करना।
- परिषद के कार्यों की देखरेख करना और आवश्यक समिति में प्रतिनिधित्व करना।

उपाध्यक्ष

- पाठ्येतर गतिविधियों का समन्वय करना और छात्र अनुशासन पर नज़र रखना।
- अंतर-कॉलेज गतिविधियों का आयोजन और पूर्व छात्रों के नेटवर्क का प्रबंधन।

महासचिव:

- बैठक एजेंडा तैयार करना और परिषद के रिकॉर्ड रखना।

खेल, सांस्कृतिक, और साहित्यिक सचिव:

- विद्यार्थियों को गतिविधियो की जानकारी देना और समन्वयकों के साथ काम करना।

एनसीसी और एनएसएस प्रमुख:

- एनसीसी और एनएसएस गतिविधियों का आयोजन और छात्रों को जानकारी प्रदान करना।

स्कूल प्रतिनिधि और गतिविधि क्लब अध्यक्ष:

- छात्रों को परिषद की गतिविधियों की जानकारी देना और क्लब गतिविधियों का प्रबंधन करना।

क्रीड़ा

जनवीर टंट्या मामा स्पोर्ट्स अकादमी : युवाओं के समग्र विकास और सामाजिक एकता का केंद्र

जनवीर टंट्या मामा स्पोर्ट्स अकादमी का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को क्रिकेट, हॉकी, वॉलीबॉल, टेबल टेनिस, कबड्डी, और खो-खो जैसे खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के साथ-साथ सामुदायिक एकता और युवा विकास को बढ़ावा देना है। अकादमी कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल, ट्रैक और फील्ड, तथा तीरंदाजी पर विशेष ध्यान देती है और क्षेत्रीय, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धाओं के लिए प्रतिभाओं को तैयार करती है। यह शारीरिक और नैतिक शिक्षा को बढ़ावा देने के साथ सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने का प्रयास करती है। अकादमी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुरूप युवाओं के समग्र विकास को प्रोत्साहित करते हुए व्यावसायिक खेल करियर के अवसर प्रदान करती है, जिससे क्षेत्रीय आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान मिलता है। अकादमी राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करती है, जैसे अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग प्रतियोगिता, 'हर घर तिरंगा अभियान के तहत साइकिल रैली, राष्ट्रीय खेल दिवस पर शतरंज प्रतियोगिता, और विश्वविद्यालय की क्रिकेट और शतरंज टीमों की राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी। इस प्रकार, टंट्या मामा खेल अकादमी खेलों और सामाजिक-सांस्कृतिक विकास में अहम भूमिका निभाती है।

राष्ट्रीय कैडेट कोर

एक परिचय 1948 में स्थापित एनसीसी दुनिया का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा संगठन है, जिसमें 1.2 मिलियन से अधिक कैडेट हैं। इसका उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, समर्पण, देशप्रेम और नेतृत्व कोयत का विकास करना है। हमारे विश्वविद्यालय का एनसीसी विभाग 36 बटालियन एनसीसी (मुख्यालयः इंदौर) के अंतर्गत कार्य करता है। रक्षक छात्र वृंद विश्वविद्यालय में संचालित यह क्लब कैडेटों के चरित्र निर्माण, नेतृत्व गुणों और सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देता है। हमारे कैडेट राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में भाग लेकर सराहनीय उपलब्धियां प्राप्त करते हैं।

उद्देश्य:

उपलब्धियाँ:

- 2024 की मुख्य विशेषताएं: विश्वविद्यालय के कैडेटों ने तीन एनसीसी शिविरों में सुलेख, टेंट पिचिंग, फील्ड क्राफ्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रमों जैसी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और कई स्वर्ण पदक जीते। उल्लेखनीय उपलब्धियों में शामिल हैं:
- कैडेट अक्शा सिद्दीकी प्री-नेशनल शूटिंग प्रतियोगिता में पहुंचीं।
- सीनियर अंडर ऑफिसर (एस.यू.ओ.) कैडेट साक्षी बड़ोले एवं अंडर ऑफिसर (यू.ओ.) कैडेट वैष्णवी पालीवाल ने आरडीसी बेस्ट कैडेट इवेंट के लिए अर्हता प्राप्त की है।
- कैडेट मोना पाल एवं कैडेट प्राची बौरासी ने जबलपुर में डेजर्ट सफारी कैम्प में भाग लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS)भारत सरकार द्वारा 1969 में स्थापित एक युवा कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य कॉलेज और विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को समाज सेवा के प्रति जागरूक करना और उन्हें सामाजिक कार्यों में भागीदार बनाना है। यह योजना विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है, साथ ही उनके व्यक्तित्व के विकास के लिए एक उपयुक्त मंच प्रदान करती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना।
- समाज के प्रति समर्पण की भावना से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
- युवा शक्ति का सही दिशा में उपयोग करते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान करना।
- विद्यार्थियों को राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक परंपराओं के प्रति जागरूक करना।
- समाज में सुधार और सेवा के कार्यों के प्रति एक सशक्त युवा समुदाय तैयार करना।

NSS द्वारा किए गए प्रमुख कार्यक्रम और गतिविधियाँ

राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) ने वर्ष 2023-2024 में विभिन्न सामाजिक और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिनका उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना और विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना था।

- अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर विश्वविद्यालय में सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर "रेड रिबन क्लब" का गठन किया गया और एच.आई.वी. एवं एड्सपर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया।
- आजादी के अमृत महोत्सव की पूर्व संध्या पर जिले के चिकित्सालय में डॉक्टरों और पुलिस कर्मियों का सम्मान किया गया।
- राष्ट्रीय स्थापना दिवस पर गोद ग्राम दोंदवाड़ा में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया।
- राष्ट्रीय सेवा योजना के 54वें स्थापना दिवस पर रक्त परीक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता की शपथ ली गई और "रन फॉर यूनिटी" दौड़ का आयोजन किया गया।
- साम्प्रदायिक सद्भाव सप्ताह के अंतर्गत राष्ट्रीय एकता और शांति पर फ्लैग डे का आयोजन किया गया।
- सड़क सुरक्षा और साइबर सुरक्षा पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें पुलिस कर्मियों द्वारा सूचना प्रदान की गई।
- राष्ट्रीय युवा उत्सव के अवसर पर कुलाधिपति श्री संतोष चौबे के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में सभी संकाय सदस्य और छात्र-छात्राओं के साथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के लिए पोस्टर एवं बैनर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और अभियान के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, रांगोली और भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग और शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व को बताते हुए कार्यक्रम आयोजित किए गए।कारगिल विजय दिवस पर भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया।
- एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत वृक्षारोपण किया गया।

छात्र विथिका

इंटरनल स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2024: डॉ. सी. वी. रामनयूनिवर्सिटी, खंडवा में सफलता का परिचायक

इंटरनल स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2024: डॉ. सी. वी. रामनयूनिवर्सिटी, खंडवा में सफलता का परिचायक , 18 सितंबर 2024 – डॉ. सी. वी. रामन यूनिवर्सिटी, खंडवा में आयोजित इंटरनल स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2024ने छात्रों की रचनात्मकता, तकनीकी कौशल और नवाचार को उजागर किया। इस कार्यक्रम ने छात्रों को वास्तविक जीवन की चुनौतियों से निपटने और समाज पर स्थायी प्रभाव डालने के समाधान खोजने के लिए प्रेरित किया। प्रतिभागी टीमों ने अपनी परियोजनाओं का प्रदर्शन किया, जिसके दौरान जूरी पैनल के विशेषज्ञों ने नवाचार, उद्योग की चुनौतियों और सामाजिक प्रभाव के महत्त्व पर चर्चा की।

छात्रों ने इस अनुभव से समस्या-समाधान, टीमवर्क और प्रस्तुति कौशल को विकसित किया। आयोजन ने न केवल छात्रों को तकनीकी और व्यावहारिक ज्ञान से सशक्त किया, बल्कि विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठा को भी मजबूती दी, जो वैश्विक स्तर पर छात्रों को प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इंटरनल स्मार्ट इंडिया हैकथॉन 2024, डॉ. सी. वी. रमन यूनिवर्सिटी के तकनीकी उत्कृष्टता की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम था।

" रामननवोन्मेष" कार्यशाला नवाचार और सहयोग को प्रेरित करती है

खंडवा, 7 अक्टूबर 2024 - डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय, खंडवा में " रामन नवोन्मेष " कार्यशाला का आयोजन किया गया, जो नवाचार, रचनात्मकता और कौशल विकास को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास था।

इस एक दिवसीय कार्यशाला में कृषि, पर्यावरण और संसाधन प्रबंधन जैसे विविध विषयों पर आधारित सात परियोजनाएँ प्रस्तुत की गईं, जिनमें से तीन सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया गया।इस कार्यशाला में विविध पृष्ठभूमि के छात्रों ने भाग लिया, जो अपने व्यावहारिक समाधान और कार्रवाई योग्य योजनाओं के माध्यम से समाज के सामने आ रहीं चुनौतियों का समाधान करना चाहते थे। प्रतिभागियों को सात समूहों में विभाजित किया गया था, जिन्होंने परियोजनाएँ प्रस्तुत कीं जो कृषि कचरे से हस्तनिर्मित कागज बनाने, डिजिटल तकनीक के माध्यम से जल पदचिह्न की गणना करने और बायोगैस परिवहन के नये तरीकों को प्रदर्शित करती थीं। कार्यक्रम में प्रस्तुतियाँ हुईं जहाँ प्रत्येक टीम ने अपनी परियोजना को दर्शकों और जूरी सदस्यों के सामने प्रस्तुत किया। जूरी ने सभी प्रस्तुतियों का गहन मूल्यांकन किया और प्रतिभागियों की रचनात्मकता व तकनीकी कौशल की सराहना की।

विशेष परियोजनाएँ और चयनित ग्रुप

- प्रथम ग्रुप - "हर्बल गैलरी" परियोजना के लिए आयुष राठौर, शिवम दुबे, प्रद्युम्न, नीरज और अंजलि की टीम को प्रदान किया गया। इस परियोजना ने जूरी को गहराई से प्रभावित किया।
- द्वितीय ग्रुप- "विभिन्न कृषि उत्पादों के लिए जल पदचिह्न की गणना के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग" परियोजना के लिए दीपांशु दशोरे, खुशी यादव, दिव्या पवार, बुरहानुद्दीन और आयुषी दशोरे की टीम को मिला। इस परियोजना में कृषि उत्पादों के जल पदचिह्न को मापने के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग किया गया था।
- तृतीय ग्रुप - "कृषि कचरे से हस्तनिर्मित कागज का उत्पादन" परियोजना के लिए गोल्डी फुलमाली, शिवम जाट, नवतन मोरे और विष्णु तंवर की टीम को दिया गया, जिसमें पर्यावरण अनुकूल और टिकाऊ विधियों का प्रयोग किया गया था।

डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय छात्रवृत्तियों और शुल्क छूट के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

डॉ. सी.वी. रामन विश्वविद्यालय खण्डवा (CVRUK) छात्रों को उच्च शिक्षा में सुलभता और किफायती विकल्प प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्वविद्यालय विभिन्न छात्रवृत्तियाँ और शुल्क छूट योजनाओं के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और हाशिए पर रहने वाले समुदायों से आने वाले मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करता है। इन योजनाओं का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता को मान्यता देना और छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है, जिससे वे समाज और अर्थव्यवस्था के विकास में सक्रिय रूप से योगदान कर सकें।

1. शिक्षा मित्र शुल्क छूट योजना

यह योजना छात्रों को उनके शैक्षिक प्रदर्शन के आधार पर शुल्क छूट प्रदान करती है:

- 91% या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को 40% ट्यूशन शुल्क छूट मिलती है।
- 85% से 90% अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को 25% शुल्क छूट मिलती है।
- 80% से 84% अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को 20% शुल्क छूट मिलती है।
- 70% से 79% अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को 15% शुल्क छूट मिलती है।
- 69% से कम अंक प्राप्त करने वाले छात्रों को 10% शुल्क छूट मिलती है।

2. विशेष श्रेणी छात्रवृत्ति योजना

यह योजना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को अतिरिक्त वित्तीय राहत प्रदान करती है:

- रजिस्ट्रार क्लब: पहले वर्ष के छात्रों को 75% उपस्थिति और सक्रिय भागीदारी के साथ 25% छूट।
- वाइस चांसलर क्लब: दूसरे वर्ष के छात्रों को 50% छूट।
- चांसलर क्लब: तीसरे वर्ष के छात्रों को 100% छूट।अंतिम निर्णय शुल्क छूट पर माननीय कुलाधिपति की स्वीकृति पर निर्भर करता है।

2. विशेष श्रेणी छात्रवृत्ति योजना

यह योजना उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को अतिरिक्त वित्तीय राहत प्रदान करती है:

- रजिस्ट्रार क्लब: पहले वर्ष के छात्रों को 75% उपस्थिति और सक्रिय भागीदारी के साथ 25% छूट।
- वाइस चांसलर क्लब: दूसरे वर्ष के छात्रों को 50% छूट।
- चांसलर क्लब: तीसरे वर्ष के छात्रों को 100% छूट।अंतिम निर्णय शुल्क छूट पर माननीय कुलाधिपति की स्वीकृति पर निर्भर करता है।

विहान

डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय ने प्रस्तुत की स्टार्ट-अप नीति, उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक कदम

डॉ. सी. वी.रमन विश्वविद्यालय, खंडवा (सीवीआरयूके ने उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी नई स्टार्ट-अप नीति का परिचय दिया है। इस नीति का उद्देश्य विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा (आईपी) के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देना है, जिससे छात्रों, कर्मचारियों और आगंतुकों में उद्यमिता की भावना को सशक्त बनाया जा सके।

यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त इस हमारे विश्वविद्यालय का लक्ष्य है कि वह अपने शोध कार्यों के माध्यम से समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाले, और नवाचार के जरिए सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान करें। नई नीति के तहत, विश्वविद्यालय स्टार्ट-अप्स के निर्माण और उन्हें सशक्त बनाने के लिए एक विस्तृत ढांचा प्रदान करेगा, जिसमें विचारों को सफल व्यवसायों में बदलने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

इसके अलावा, नीति में उद्यमशीलता उद्यमों और शैक्षणिक कर्तव्यों के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश भी शामिल हैं। विश्वविद्यालय अपने रमन इनक्यूबेशन सेंटर के माध्यम से मेंटरशिप और बुनियादी ढांचे जैसी आवश्यक संसाधन प्रदान करेगा, ताकि विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को अपने स्टार्ट-अप्स को सफल बनाने के लिए आवश्यक सहायता मिल सके। इस नीति का समग्र उद्देश्य एक सशक्त उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करना है, जो नवाचार को बढ़ावा देता है और समाज के व्यापक विकास में योगदान करता है।

अभिनव कैंपस भर्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम 'विहान'(VIHAN)

डॉ.सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी खंडवा के प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल द्वारा अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए एक विशेष कैंपस भर्ती प्रशिक्षण कार्यक्रम 'विहान'(VIHAN) का शुभारंभ किया गया है। "फिनिशर स्कूल" की अवधारणा पर आधारित यह कार्यक्रम छात्रों को उनके करियर के लक्ष्यों की दिशा में सशक्त बनाने और उन्हें उद्योग-तैयार बनाने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है।

कार्यक्रम का नाम 'विहान'(VIHAN) छात्रों में पाँच महत्वपूर्ण गुणों को संप्रेषित करता है, जिनमें हर अक्षर एक मूल्य का प्रतीक है।

- **V – Virtuous(भद्र)**
- **Indomitable (अदम्य)**
- **H - Human (मानवता)**
- **A - Aiming (लक्ष्य)**
- **N - Northward (उत्तर दिशा में अग्रसर)**

डॉ.सी.वी. रमन यूनिवर्सिटी खंडवा का यह अभिनव प्रयास छात्रों को उनकी करियर यात्रा में प्रभावी रूप से मार्गदर्शन देने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। 'विहान' के अंतर्गत विभिन्न कौशल विकास और करियर-बढ़ावा देने वाली गतिविधियाँ शामिल हैं, जिनमें करियर मार्गदर्शन, प्रभावी बायोडाटा निर्माण, व्यक्तिगत दृष्टि-निर्माण, जीवन के लक्ष्यों का निर्धारण, व्यक्तिगत SWOC विश्लेषण (Strengths, Weaknesses, Opportunities, Challenges), समूह चर्चा और साक्षात्कार की तैयारी जैसे पहलुओं पर प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

छात्रों को अनुभवी पेशेवरों के मार्गदर्शन में विशेष साक्षात्कार सत्रों का अनुभव मिलता है और उन्हें 'रोजगार मंत्रा' प्लेटफॉर्म (www.rojgarmantra.com) पर पंजीकरण करने का अवसर मिलता है, जिससे उनके लिए रोजगार के नए अवसर खुलते हैं। कार्यक्रम के सफल समापन पर छात्रों को 'विहान' प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है, जो उनके करियर में एक महत्वपूर्ण प्रोत्साहन है। इसके साथ ही, उन्हें सीवीआरयूके के पूर्व छात्र संघ की आजीवन सदस्यता दी जाती है, जो उनके कैंपस प्लेसमेंट में सहायता प्रदान करती है।

'विहान'कार्यक्रम के माध्यम से सीवीआरयूके अपने छात्रों को आत्मविश्वास और सशक्तिकरण से भरपूर करियर की शुरुआत का एक सशक्त माध्यम उपलब्ध करा रहा है, जो उन्हें एक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर करता है।